असली भगवा धारी चले गये और नकली रह गए

आईआईटी कानपुर के पूर्व प्रोफेसर और गंगा के निर्मल प्रवाह के अग्रदूत प्रो. जीडी अग्रवाल का 112 दिनों के अनशन के बाद निधन हो गया है।

मनमोहन सरकार के दौरान 2010 में उनके अनशन के परिणामस्वरूप गंगा की मुख्य सहयोगी नदी भगीरथी पर बन रहे लोहारी नागपाला, भैरव घाटी और पाला मनेरी बांधों के प्रोजेक्ट रोक दिए गए थे, जिसे मोदी सरकार आने के बाद फिर से शुरू कर दिया. सरकार से इन बांधों के प्रोजेक्ट रोकने और गंगा एक्ट लागू करने की मांग को लेकर प्रोफेसर अग्रवाल 22 जून से अनशन पर थे.

जी डी अग्रवाल ने स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद से अंतिम इच्छा जाहिर करते हुए कहा था कि मरणोपरांत उनके शरीर को वाराणसी के काशी हिंदू विश्वविद्यालय को दे दिया जाए.

मंदिर में प्रवेश करने की कोशिश पर 90 वर्षीय दलित को जीवित जलाया

उत्तर प्रदेश के हम्मीरपुर में शुक्रवार को एक 90 वर्षीय दलित को मंदिर में प्रवेश करने के प्रयास करने के कारण उस पर कुल्हाड़ी से हमला किया गया और उसके बाद उसे आग में जिन्दा जला दिया। जिसके कारण उसकी मृत्यु हो गई।

व्यक्ति की पहचान की जा चुकी है, उसक नाम चिम्मा है। दरअसल बुधवार को शाम में चिम्मा और उसकी पत्नी, पुत्र दुर्जन और भाई मैदानी बाबा मंदिर गए थे। संजय तिवारी नाम के एक व्यक्ति ने उन्हें मंदिर में प्रवेश करने से रोक लिया।

जब चिम्मा ने ऐसा करने से इनकार कर दिया तो संजय तिवारी ने उनपर कुल्हाड़ी से प्रहार कर दिया और उनको आग में जीवित जला दिया।

यह घटना कानपुर से 140 किलोमीटर दूर हमीरपुर और जालुन जिलों के बीच की सीमा पर एक बिलगाओं नामक गांव में घटित हुई। यह घटना अन्य लोग जो पूजा करने के लिए वहां आये थे उनके उपस्थिति में हुई।

पुलिस ने कहा की उसे वहां मौजूद अन्य लोगों द्वारा पकड़ लिया गया। उन्होनें कहा की घटना के दौरान संजय तिवारी ने शराब पी रखी थी। एक प्रत्यक्षदर्शी ने कहा कि तिवारी ने चिम्मा और कई अन्य लोगों से मंदिर में प्रवेश नहीं करने के लिए कहा था, लेकिन उन्होंने मना कर दिया।

उसने कहा कि तिवारी उग्र हो गया और दलित व्यक्ति पर कुल्हाड़ी के साथ हमला किया। इस दौरान चिम्मा की पत्नी ने मदद के लिए चिल्लाई। तिवारी ने चिम्मा के ऊपर मिट्टी का तेल डाला और फिर उनको जिन्दा जला दिया।

इस मामले में पुलिस ने तिवारी को गितफ्तार तो कर लिया है, परन्तु अभी भी उसके दो सहयोगियों का पकड़ा जाना बाकी है।

रूस से एस-400 मिसाइल डिफेंस सिस्टम की डील करके भारत ने बड़ी गलती की-ट्रम्प

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने भारत को धमकी देते कहा कि रूस से एस-400 मिसाइल डिफेंस सिस्टम की डील करके भारत ने बड़ी गलती की। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन पिछले सप्ताह भारत आए थे। इस दौरान दोनों देशों के बीच एस-400 मिसाइल डिफेंस सिस्टम की डील फाइनल हुई थी। इसे लेकर ट्रम्प ने कहा कि भारत को इसका नतीजा जल्द पता चल जाएगा। आप भी जल्द ही देखेंगे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की दिल्ली में हुई मुलाकात के दौरान इस समझौते पर हस्ताक्षर हुए थे। भारत और रूस के बीच हुए सौदे के बारे में पूछे जाने पर ट्रम्प ने ओवल ऑफिस में पत्रकारों से चर्चा करते हुए कहा कि भारत को पता चल जाएगा। भारत को पता चलने जा रहा है। आप जल्द ही देखेंगे। यह पूछे जाने पर कि ऐसा कब होगा, उन्होंने कहा, "आप देखिए, आपकी उम्मीदों से भी जल्द।" ट्रम्प जब सवालों का जवाब दे रहे थे, तो उस वक्त वहां विदेश सचिव माइक पोम्पिओ भी कक्ष में मौजूद थे।

राष्ट्रपति ट्रम्प ने चार नवंबर की समय सीमा के बाद भी ईरान से तेल आयात जारी रखने वाले देशों को लेकर पूछे गए सवाल के जवाब में कहा कि अमेरिका उन देशों को देख लेगा। भारत और चीन जैसे देशों द्वारा ईरान से तेल खरीदना जारी रखने के फैसले पर पत्रकारों द्वारा पूछे जाने पर ट्रम्प ने कहा कि हम उन्हें देख लेंगे। तेल मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने सोमवार को कहा था कि दो सरकारी तेल कंपनियों ने नवंबर में ईरान से कच्चे तेल के आयात के लिये ऑर्डर दिया है। उन्होंने कहा कि भारत की अपनी ऊर्जा जरूरतें हैं, जिसे उसे पूरा करना है।

इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन (आईओसी) और मंगलोर रिफाइनरी एवं पेट्रोकेमिकल्स लिमिटेड (एमआरपीएल) ने साथ मिलकर ईरान से 12.5 लाख टन (एमटी) कच्चे तेल के लिये ऑर्डर दिया है। ट्रम्प ने मई में ईरान के साथ 2015 में हुए परमाणु समझौते से अपने हाथ वापस खींच लिए थे और उस पर फिर से आर्थिक प्रतिबंध लगा दिए थे। कुछ प्रतिबंध छह अगस्त से प्रभावी हो गए थे, जबकि तेल और बैंकिंग क्षेत्र को प्रभावित करने वाले प्रतिबंध चार नवंबर से प्रभावी होंगे। इराक और सऊदी अरब के बाद ईरान भारत को तेल आपूर्ति करने वाला तीसरा सबसे बड़ा देश है।

पल्लवी त्रिवेदी म.प्र. पुलिस में अपर पुलिस अधीक्षक हैं

पुलिस को कोसिये, ज़रूर कोसिये, मगर इसे भी पढ़िए और कोसते समय दिमाग में रखिये !

1. आपका या आम जनता का सीधा वास्ता पुलिस के सबसे निचले कर्मचारियों खासकर सिपाही और हवलदार से पड़ता है! उसमे भी सबसे ज्यादा ट्रैफिक के दौरान! जब वो आपको रोकता है तो सबसे पहले रसीद काटने की बात करता है , वो आप है जो उसे रसीद न काटने के लिए पैसे ऑफर करते हैं ! जिसे आप दोनों खुशी खुशी स्वीकार करते हैं , क्योंकि इसमें दोनों को सुविधा है! अब से सिर्फ इतना करना शुरू कीजिये कि ट्रैफिक का चालान होने की नौबत आने पर खुशी खुशी चालान भरिये ! न किसी नेता से उस सिपाही को फोन कराइए और न उसे सौ का नोट दिखाइये!

2 - हमारा सिपाही और हवलदार चौबीस घंटे ड्यूटी करता है , उसकी कम तनख्वाह का एक हिस्सा उसकी मोटरसाइकल में पेट्रोल डलवाने में और कागजों की फोटोकॉपी कराने में जाता है, जो उसके सरकारी काम का हिस्सा हैं ! ज़ाहिर है ये पैसा वह कहाँ से प्राप्त करता होगा !

दिन भर वह चकरघिन्नी बना कभी जुलूस निपटाता है, कभी मंत्री जी के कार्यक्रम में खडा रहता है , कभी वारंटी पकड़ रहा होता है , कभी डॉक्टर को बमुश्किल पकड़कर शव का पोस्ट मार्टम करवा रहा होता है और कभी भागी हुई लडकी की तलाश में गाँव गाँव घूम रहा होता है और सारे गाँव वालों का विरोध झेल रहा होता है ! (ये सारे काम एक ही दिन के हैं) और रात को थाने पर बैठे चोर से चोरी उगलवा रहा होता है! उससे कितने मधुर व्यवहार की अपेक्षा रीजनेबल होगी, तय कर लीजिये!

3 - वो त्यौहार मनाना नहीं जानता , कभी टीचर पेरेंट मीटिंग में भाग नहीं लेता, उसके सरकारी घर में आप एक दिन भी नहीं गुज़ार सकते! उसे नहीं मालूम होता , उसका बच्चा पढाई में कैसा है , कहीं गलत संगत में तो नहीं पड़ गया है ? उसकी तोंद निकल गयी है , उसका बी .पी . हाई है , डायबिटीज़ भी है ! उसे फुर्सत नहीं कि वह एक्सर्साइज़ या डायटिंग कर सके

हाँ , वो भ्रष्ट है क्योंकि भ्रष्टाचार हमारा राष्ट्रीय चरित्र है ! जिस प्रकार न्यायपालिका, कलेक्ट्रेट , एम् .पी .ई. बी., पी.डब्लू .डी., स्वास्थ्य सेवाएँ , नगर पालिका , हमारे नेता भ्रष्ट हैं , उसी प्रकार वो भी भ्रष्ट है! जिस दिन हमारा समाज भ्रष्टाचार मुक्त हो जाएगा , हमारी पुलिस से भी भ्रष्टाचार खत्म हो जायेगा!

5 - आप विदेशों से हमारी पुलिस की तुलना करते हैं तो कुछ बातें जान लीजिये फिर तुलना कीजिये!

- उन देशों में पुलिस का काम घर घर जाकर निगरानी करना नहीं है , हर व्यक्ति के घर में अपना सिक्युरिटी सिस्टम है , अलार्म बजने पर पुलिस पहुँचती है ! अपने घर की रक्षा घर का मालिक स्वयं करता है! हमारे यहाँ पंद्रह मोहल्लों पर दो पुलिस वाले हैं , जिनसे अपेक्षा है कि वे किसी घर में चोरी न होने दें!

- विदेशों में पुलिस जनता की मित्र है , हमारे यहाँ बच्चे को सुलाने के लिए या उसकी शरारतों को रोकने के लिए भी पुलिस का नाम लेकर डराया जाता है ! आप जैसी पुलिस चाहते हैं , वैसी पुलिस आपके सामने हाज़िर है!

- सारे विकसित देशों में कोई भी पुलिस कर्मचारी आठ घंटे से ज्यादा काम नहीं करता , और हमारे यहाँ छह घंटे सो ले , वही एक लक्ज़री है !

- उन देशों में पुलिस का काम घर घर जाकर निगरानी करना नहीं है , हर व्यक्ति के घर में अपना सिक्युरिटी सिस्टम है , अलार्म बजने पर पुलिस पहुँचती है ! अपने घर की रक्षा घर का मालिक स्वयं करता है! हमारे यहाँ पंद्रह मोहल्लों पर दो पुलिस वाले हैं , जिनसे अपेक्षा है कि वे किसी घर में चोरी न होने दें!

- जो लोग पानी पी पी कर पुलिस को कोसते हैं , वही सबसे पहले कॉन्स्टेबल या सब इंस्पेक्टर का फार्म भरते हैं !जनता की सेवा के लिए नहीं पावर और पैसे के लिए !ये हमारा समाज है ! हम और आप हैं !

जो भ्रष्टाचार पुलिस के बड़े अधिकारियों में है बावजूद मोटी तनख्वाह और तमाम सुविधाओं के , उसके लिए विभाग ज़िम्मेदार नहीं है ! वे जिस भी विभाग में होते ,भ्रष्ट ही होते !

फिर भी मान लिया कि पुलिस कोई काम नहीं करती तो क्यों न ऐसा करें कि एक दिन के लिए देश के सारे थाने बंद कर दिए जाएँ और ट्रैफिक से भी पुलिस हटा दी जाए! इस प्रयोग के बाद अगर पुलिस की आवश्यकता न हो तो विभाग ही खत्म कर दिया जाए!

या मेरा दूसरा सुझाव है कि हम सबको एक एक हफ्ते किसी पुलिस वाले के साथ उसकी परछाई बनकर रहना चाहिए! शायद हमारे विचार कुछ बदलें !

अंत में ,हमारे देश में जिसको जहां मौका मिलता है वहीं भ्रष्टाचार शुरू हो जाता है ! चाहे एक सीधे सादे टीचर को मध्यान्ह भोजन का प्रभारी बना दिया जाये या अस्पताल की कैंटीन का चार्ज किसी भोले भाले डॉक्टर को दे दिया जाए! यहाँ तक कि प्रायवेट कम्पनी में जॉब करने वाले भी कम बजट के होटल में ठहरकर बड़े होटल का बिल प्रस्तुत करते हैं !

और ऐसा भी नहीं कि गरीबो के केस सॉल्व नहीं होते ..बस उन्हें प्रकाशित करने में मीडिया की कोई रुचि नहीं होती और वे आप तक पहुँचते नहीं ! हम जानते हैं कि कैसे एक अनजान भिखारी के अंधे क़त्ल के केस को हल करने हमारा एक हवालदार विशाखापट्नम से लेकर कन्याकुमारी तक जाता है ! और कातिल को पकड़कर थाने लाता है ! ये जनता को कभी नहीं दिखाई देगा ! ये हमारी फाइलों में दर्ज है ! जब एक बलात्कार की शिकार चौदह साल की लड़की अपने नवजात बच्चे को गला घोंटकर मार देती है और प्रसूति वार्ड से सीधे हवालात आ जाती है तब जो सिपाही उसके लिए कम्बल खरीदकर लाया है और जो हवालदार उसके लिए जापे के बाद खाए जाने वाले लड्डू दो घंटे में अपने घर से बनवाकर लाया है, यह किसी फ़ाइल में दर्ज नहीं है !

याद रखिये कि जब आप अति सामान्यीकरण करते हुए सारे पुलिस वालों को गाली देते हैं तब मैं और मेरे जैसे मेरे कई साथी पुलिस वाले आहत होते हैं ! हम ईमानदार भी हैं , मानवीय भी और व्यावसायिक रूप से दक्ष भी !

और इस पर भी आपको अगर ये लगता है कि मैं पुलिस में भ्रष्टाचार और खराब व्यवहार की हिमायती हूँ तो आप सर्वथा गलत है ! आप जो देखते हैं वह तो सत्य है ही , मैं सिर्फ आपको वो दिखा रही हूँ जो आप नहीं देख पाते हैं ! इसके बाद भी हम लगातार अपने विभाग की छवि सुधारने के लिए प्रयासरत हैं !हम भी चाहते हैं कि तमाम तनावों के बावजूद पुलिस बहुत मानवीय बने क्योंकि चाहे जितना भी गाली दीजिये पुलिस आज भी दुखियों के लिए आस की एक किरण है और ये भी जानती हूँ कि ये असंभव नहीं है ! आप कोशिश कीजिये कि समाज सुन्दर बने ! हम पुलिस को सुन्दर बनाने के लिए प्रयासरत हैं !

जय हिन्द

अनुकरणीय-यह भी हुआ, पाइलट विकास शुक्रिया!

तस्वीर 90 वर्षीय बिमला , 78 वर्षीय राममूर्ति , 75 वर्षीय गिरदावरी देवी, 80 वर्षीय अमर सिंह , 75 वर्षीय सुर्जराम, 75 वर्षीय खेमाराम, 72 वर्षीय आत्माराम और इंद्रा और सतपाल आदि की है। यह सभी आदमपुर जिले के सारंगपुर गाँव के निवासी हैं और सभी पहली बार हवाई जहाज़ में बैठे हैं।

गाँव के ही एक युवा विकास की "पायलेट" बनने की बड़ी तीव्र इच्छा थी। प्रयास करता रहा पर सफ़लता हाथ नहीं लगी। एक दिन गाँव के ही एक बुज़ुर्ग ने बातों बातों में पूछ लिया के अगर विकास पायलेट बन गया तो क्या वह उसे हवाई यात्रा करवायेगा। विकास ने भी बुज़ुर्ग की बात का सम्मान रखते हुये कह दिया के अगर वह पायलेट बनता है तो गाँव में 70 वर्ष से अधिक उम्र के हर बुज़ुर्ग को हवाई यात्रा करवायेगा।

बुज़ुर्गों का आशिर्वाद विकास को प्राप्त हुआ और उसने इम्तिहान पास कर के अपनी पायलेट ट्रेनिंग पूरी कर ली।

अधिकतर लोग अपना वायदा भूल जाते हैं परन्तु विकास नहीं भुला के उसकी कामयाबी के पीछे बुज़ुर्गों का आशिर्वाद है। फिर एक सूची बनाई गई। गाँव मे कुल 22 बुज़ुर्ग ऐसे थे जिनकी उम्र 70 वर्ष से अधिक थी। सबसे पूछा गया के वह हवाई जहाज़ में बैठ कर कहाँ जाना चाहते हैं। सब ने एक स्वर में स्वर्ण मंदिर जाने की इच्छा प्रकट की।

विकास ने अपना वायदा निभाते हुये 22 बुज़ुर्गों की दिल्ली से अमृतसर की हवाई टिकट बुक करवा दी। इनमे से अधिकतर लोगों ने ना जीवन मे कभी हवाई अड्डा देखा था न हवाई जहाज़।

बुज़ुर्गों के चेहरे पर खुशी देखने लायक थी। चेहरे के हाव भाव देखने लायक थे। कई बुज़ुर्गों ने कहा के उन्होंने कभी सोचा भी नहीं था के वह जीवन मे कभी हवाई यात्रा करेंगे। विकास ने अमृतसर में सभी बुज़ुर्गों को स्वर्ण मंदिर के दर्शन करवाये। ततपश्चात उन्हें वागाह बॉडर पर भी लेकर गये।

जीवन में कुछ पल भुलाये नहीं भूलते। हम सब को लगभग अपनी पहली हवाई यात्रा याद होगी। परन्तु कुछ पल या कहें के कुछ खुशियाँ ऐसी होती हैं जो किसी माध्यम से हमें तोहफे के रूप में मिलती हैं। जब जब हम उन खूबसूरत पलों को याद करते हैं तो उस व्यक्ति का चेहरा समक्ष आ जाता है जिसने हमें वह बेहतरीन लम्हे उपहारस्वरूप दिये होते हैं।

अम्मा के मुँह में दांत नहीं हैं पर चेहरे की मुस्कान यह बयां कर रही है के यह उनके जीवन के श्रेष्ठतम लम्हों में से एक है। यह सबसे खूबसूरत और मनमोहक तस्वीर है।